am suggesting is that you should think of some ways as to how you can discuss these things.

SHRI HEM BARUA: About Kachchtativu, we have not got any satisfaction. She does not know about the new developments there.

MR. SPEAKER: You are saying, she does not know, you are not satisfied and all that. That does not solve the problem; that does not help anybody.

SHRI BAL RAJ MADHOK: Are you satisfied with the answers given?

MR. SPEAKER: May I express my view then? I did'nt want to do. It is not a question of satisfaction. If the whole question of the map of India is raised in a supplementary, I wonder if Mr. Madhok can satisfy me. It is so difficult. In a supplementary the question of the whole map of India is raised. We can take some other oppotunity of having these things clarified. This is a serious matter. I agree.

SHRI HEM BARUA: Do you want Mr. Madhok there?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : आपका कहना ठीक है कि एक पूरक प्रश्न में सारी जानकारी नहीं आ सकती है। मंत्री महोदय गलत जवाब दें यह भी हम में से कोई नहीं चाहेगा। इसलिए आप सरकार को निदश दे सकते हैं कि वह इसके बारे में एक विस्तृत विवरण सदन की मेज पर रख कि हमारी कौन-कौन सी सीमा विवादग्रस्त है, कितना भाग विवादग्रस्त है और उसके सम्बन्ध में पड़ोसियों से कितनी चर्चा हो रही है, इन द्वीपों की अब स्थिति क्या है आदि।

MR. SPEAKER: The Prime Minister has given out some details. We could not hear properly because of so much noise. I think, a well-considered paper, the same thing which she read out and other things after verification, as suggested by Shri Vajpayee, may be laid on the Table of the House. I agree. Later on, Members also could study that and carefully examine that (*Interruption*) She herself read out and gave the information. We could not hear properly because of so much noise.

SHRI K. N. TIWARY: An impression has been created, on this Question, that the Government of India is not very serious . . .(*Interruption*).

MR. SPEAKER: No, no. (*Interruption*).

श्री राव राय : आपने ठीक कहा है।

SHRI K. N. TIWARY: We agree with your suggestion. May I request you to ask the Prime Minister to hold the meeting as soon as possible and come to some conclusion and let the House know about it?

MR. SPEAKER: I did not propose any meeting at all. I don't think I suggested that. Only the information which she gave could be tabulated and placed on the Table of the House.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

कच्छ न्यायाधिकरण के व्यय को बांटना

*६72. **श्री हुकम चन्द कछवाय** :
श्री चंगलराया नायडू :
श्री श्रीचन्द गोयल :
श्री बाल्मीकि चौधरी :
श्री तुलशीदास जाधव :

क्या वैदेशिक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कच्छ न्यायाधिकरण सम्बन्धी व्यय को वहन करने के बारे में भारत और पाकिस्तान की सरकारों के बीच कोई करार हुआ था;

(ख) यदि हां, तो करार के अनुसार यह व्यय दोनों देशों द्वारा किस अनुपात से वहन किया जाना था; और

(ग) कच्छ न्यायाधिकरण पर व्यय हुई विदेशी मुद्रा में कितनी मुद्रा का भार भारत सरकार द्वारा वहन किया गया है ?

वैदेशिक कार्य-मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ब० रा० भगत) : (क) भारत पाकिस्तान पश्चिमी सीमा मुकद्दमा न्यायाधिकरण का फरवरी 1966 में जो पहला अधिवेशन हुआ था उसमें न्यायाधिकरण ने प्रक्रिया सम्बधी कुछ नियम अपनाये थे जिनके अनुसार प्रत्येक पक्ष अपनी लागत अदा करेगा। न्यायाधिकरण के सदस्यों, और महासचिव के पारिश्रमिक और व्यय को तथा न्यायाधिकरण के खर्च को दोनों पक्ष बराबर-बराबर उठाएगे ये प्रक्रिया सम्बन्धी नियम दोनों पक्षों की सहमति से किए गए थे।

(ख) न्यायाधिकरण द्वारा स्वीकृत प्रक्रिया संबंधी नियमों के अतर्गत, दोनों देशों को बराबर-बराबर खर्च उठाना था।

(ग) भारत सरकार ने न्यायाधिकरण के सदस्यों और महासचिव के पारिश्रमिक और व्यय तथा न्यायाधिकरण के खर्च के रूप में भारत के हिस्से के 160,000 डालर विदेशी मुद्रा में दे दिए हैं।

पाकिस्तान में गुरुद्वारों के कैश बक्सों का हटाया जाना

*873. **श्री शिव कुमार शास्त्री**
श्री राम चरण :

क्या वैदेशिक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पाकिस्तान में गुरुद्वारों के कैश बक्सों को 'मुस्लिम वक्फ बोर्ड द्वारा जबर्दस्ती तोड़ा गया था और उसमें से नकद धन निकाल लिया गया था ; और

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

वैदेशिक-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ब० रा० भगत): (क) जी, हां।

(ख) सरकार ने इस बारे में पाकिस्तान सरकार से विरोध प्रकट किया है।

Complaints from Indians in Fiji

*874. SHRI A. SREEDHARAN:
SHRI KAMESHWAR SINGH:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government have recently received any complaint from the Indians living in Fiji;

(b) if so, the nature thereof; and

(c) the action taken in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI B. R. BHAGAT): (a) No, Sir.

(b) and (c). Do not arise.

Repatriation of Indians Detained in Burma

*875. SHRIMATI JYOTSNA CHANDA:
SHRI YASHPAL SINGH:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 4795 on the 18th December, 1967 and state:

(a) the up-to-date progress made in the matter of repatriation of Indian nationals detained in Burma for the so-called 'economic offences';

(b) whether this matter was discussed with Gen. Ne Win, the Chairman of Burma's Revolutionary Council during his recent visit to India; and